

पत्र सूचना कार्यालय
भारत सरकार
गृह मंत्रालय

केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह ने केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल परिसर, गुरुग्राम में अखिल भारतीय वृक्षारोपण अभियान में हिस्सा लिया।

केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बल देशभर के हवाई अड्डे और रेलवे स्टेशन की सुरक्षा तथा आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई के साथ ही कोविड-19 महामारी से लड़ने में भी महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं - केंद्रीय गृह मंत्री

श्री अमित शाह ने कहा कि आज पर्यावरण की सुरक्षा के लिए ढेर सारे कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं किंतु वृक्ष ही एक ऐसा माध्यम है जिसके द्वारा बड़े हुए प्रदूषण को कम किया जा सकता है और पृथ्वी की सुरक्षा की जा सकती है

प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में 'एक जन, एक मन, एक राष्ट्र' के सूत्र को चरितार्थ करते हुए कोरोना के खिलाफ जंग में हम अच्छे मुकाम पर खड़े हैं - श्री अमित शाह

विकास की दौड़ में अंधाधुंध प्रकृति का दोहन करने वाले देशों को हमारे प्रधानमंत्री ने चेताया और पेरिस समझौते में मोदी फार्मूले को अपनाया गया - केंद्रीय गृह मंत्री

मैं हमारे सशस्त्र बलों के वीर जवानों का अभिनंदन करता हूँ और उन्हें बधाई देता हूँ जो देश की रक्षा के साथ-साथ पर्यावरण की रक्षा करने वाले इस विशाल अभियान के माध्यम से देशभर में 1 करोड़ से अधिक लंबी आयु वाले वृक्षों के पौधे लगा रहे हैं - श्री अमित शाह

12 जुलाई 2020

केन्द्रीय गृह मंत्री ने श्री अमित शाह ने कहा है कि केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बल देशभर के हवाई अड्डे और रेलवे स्टेशन की सुरक्षा तथा आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई के साथ ही कोविड-19 महामारी से लड़ने में भी महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों द्वारा चलाए जा रहे 'अखिल भारतीय वृक्षारोपण अभियान' में भाग लेते हुए आज

गुरुग्राम में स्थित केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के ग्रुप केन्द्र श्री अमित शाह ने इस महामारी में जान गँवाने वाले केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के 31 कोरोना वॉरियर्स को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि इन कोरोना वॉरियर्स का बलिदान व्यर्थ नहीं जाएगा और कोरोना के खिलाफ लड़ाई के इतिहास में केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बलों का नाम स्वर्ण अक्षरों में लिखा जाएगा।



श्री अमित शाह ने कहा कि यह कार्यक्रम ऐसे समय में हो रहा है जब पूरी दुनिया एक बड़े संकट का सामना कर रही है। वर्षों के इतिहास में इस तरह की महामारी का जिक्र

नहीं मिलता है और आज पूरे विश्व में कोरोना महामारी मानव जीवन के अस्तित्व से लड़ाई कर रही है। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत इस जंग को अच्छी तरह से लड़ रहा है। कोरोना के विरुद्ध लड़ाई में जब बड़े से बड़े विकसित देशों की स्वास्थ्य व्यवस्थाएँ चरमरा गयीं वहीं घनी आबादी वाले देशों में से एक हमारे देश में जहां स्वास्थ्य सेवाओं का आधारभूत ढांचा अन्य विकसित देशों की तुलना में सशक्त नहीं था तो सबके मन में आशंकाएं थीं कि कोरोना के खिलाफ लड़ाई भारत जैसा देश कैसे लड़ेगा। किंतु आज पूरी दुनिया देख रही है कि कोरोना के खिलाफ समग्रविश्व में सफलता से जंग यदि कहीं लड़ी गई है तो वह भारत के अंदर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में लड़ी गई है।



श्री अमित शाह ने यह भी कहा कि दुनिया भर में इस जंग से सरकारें लड़ी हैं किंतु भारत में केंद्र सरकार के साथ सभी राज्य सरकारों और एकएक व्यक्ति इस लड़ाई में साथ खड़ा - हुआ है। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में 'एक जन, एक मन, एक राष्ट्र' के सूत्र को चरितार्थ करते हुए कोरोना के खिलाफ जंग में हम अच्छे मुकाम पर खड़े

हैं। कहीं डर का माहौल नहीं है, इसके खिलाफ लड़ने का जज्बा है, पराजित करने का हौसला है और मैं कहना चाहता हूँ कि इस जंग से लड़ाई में हमारे सुरक्षा बलों का भी बहुत महत्वपूर्ण योगदान है। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि विभिन्न सुरक्षाबलों के जवानों की याद में एक बहुत बड़ा स्मारक दिल्ली में बनाया गया है जो हमेशा जनता को के बलिदान की याद दिलाता है।

श्री अमित शाह ने कहा कि हमारे पुरखों का कहना था कि प्रकृति का दोहन करना चाहिए प्रकृति का शोषण नहीं करना चाहिए। वेद काल में ऋषिमुनियों द्वारा बनाए गए इस संतुलन - को भौतिकवादी विचारधारा ने तोड़ा इसीलिए आज जलवायु परिवर्तन, बढ़ते तापमान, ग्लोबल वार्मिंग के खतरे सामने खड़े हैं। इस संकट से हमें वृक्ष ही बचा सकते हैं इसलिए हमारे पुरखों ने सभी ग्रंथों में वृक्ष के महत्व को समझाया है। श्री अमित शाह ने कहा कि वृक्षों की मानव जीवन में महत्ता को दर्शाने वाले मत्स्य पुराण के निम्न सूत्र को अभियान का मूल मंत्र बनाया गया जिससे कि बल कर्मियों और उनके माध्यम से समाज में वृक्षों के प्रति संवेदनशीलता और चेतना जाग्रत हो

**दशकूपसमा वापी, दशवापीसमो हृदः।
दशहृदसमो पुत्रो, दशपुत्रसमो द्रुमः ॥**

(एक जलकुंड दस कुँए के समान है, एक तालाब दस जलकुंडों के बराबर है, एक पुत्र का दस तालाबों जितना महत्व है और एक वृक्ष का दस पुत्रों के समान महत्व है।)

श्री अमित शाह ने कहा कि मैं हमारे सशस्त्र बलों के वीर जवानों का अभिनंदन करता हूँ और उन्हें बधाई देता हूँ जो देश की रक्षा के साथ-साथ पर्यावरण की रक्षा करने वाले इस विशाल अभियान के माध्यम से देशभर में 1 करोड़ से अधिक लंबी आयु वाले वृक्षों के पौधे लगा रहे हैं। उन्होंने सभी जवानों से अपील की कि जब तक लगाने वाले व्यक्ति से वृक्ष बड़ा न हो जाए तब तक उसका ध्यान रखा जाए, उसके बाद वह वृक्ष पीढ़ियों तक हमारा ध्यान रखेंगे। श्री अमित शाह का कहना था कि इससे जीवन भी पल्लवित और सुगंधित होगा। वृक्षों से हमें प्राणवायु मिलती है और प्राण वायु के बगैर शरीर की कल्पना नहीं की जा सकती है। श्री अमित शाह ने कहा कि आक्सीजन देने क्षमता , मौसम की अनुकूलता और आयु को ध्यान में रखते हुए इस महाअभियान के लिए पीपल, जामुन, नीम, वट और बरगद जैसे पेड़ों का चयन किया गया है।



श्री अमित शाह ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने पर्यावरण, पर्यावरण के संरक्षण और पर्यावरण के संवर्धन को बहुत महत्व दिया है। गुजरात पहला ऐसा राज्य बना जहां पर्यावरण की चिंता के लिए डिपार्टमेंट की रचना की गई। देश के प्रधानमंत्री स्वच्छ ईंधन की बात करते हैं पेट्रोल की जगह एथेनॉल के उपयोग को बढ़ावा देना चाहते हैं। आज भारत पूरे विश्व के अंदर सौर ऊर्जा का केंद्र बना है शीघ्र ही हम इस स्थिति में पहुंच जाएंगे कि सबसे ज्यादा देश के अंदर ऊर्जा का उत्पादन सौर ऊर्जा के माध्यम से होगा। श्री अमित शाह ने कहा कि उज्वला योजना के तहत 8 करोड़ परिवारों को मुफ्त गैस सिलेंडर जैसी योजनाएँ भी भारत सरकार द्वारा पर्यावरण संरक्षण के प्रयासों में से एक है। कार्यक्रम में केन्द्रीय गृह सचिव श्री अजय भल्ला, केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के महानिदेशक और अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल हुए।



प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणा और गृह मंत्री श्री अमित शाह के निर्देशन में केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीमा सुरक्षा बल] केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल] केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल] भारत तिब्बत सीमा पुलिस] सशस्त्र सीमा बल] असम राइफल्स] राष्ट्रीय सुरक्षा गारद) ने वृक्षारोपण का एक अभियान शुरू किया है। इसका लक्ष्य वर्ष 2020 में 1.37 करोड़ से ज्यादा पौधे लगाने का है। ये पौधे केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के कार्मिकों द्वारा अपने श्रमदान से लगाये जायेंगे। सभी बलों द्वारा 30 जून] 2020 तक देश के विभिन्न भागों में 20 लाख से अधिक पौधे लगाए जा चुके हैं।

एनडब्लू/आरके/पीके/एडी/डीडीडी